लाल परेड पर राज्यपाल फहराएंगे राष्ट्रीय ध्वज

आज देश का 77 वां गणतंत्र दिवस राजधानी में धूमधाम से मनाया जाएगा

भोपाल, 25 जनवरी. राजधानी भोपाल में सोमवार को गणतंत्र दिवस समारोह लाल परेड ग्राउंड पर आयोजित होगा. यहां राज्यपाल मंगुभाई पटेल राष्ट्रीय ध्वज फहराएंगे.

राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने प्रदेशवासियों को गणतंत्र दिवस की बधाई एवं शुभकामनाएं दी है. उन्होंने कहा कि हमारा संविधान केवल शासन का दस्तावेज नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय, समानता, स्वतंत्रता और बंधुत्व की भावना का जीवंत आधार है. राज्यपाल पटेल ने प्रदेशवासियों से अपील की है कि गणतंत्र दिवस पर संविधान की मर्यादाओं का पालन, राष्ट्रीय एकता को सुदृढ़ करने तथा प्रदेश-देश की प्रगति के लिए ईमानदारी, कर्तव्यनिष्ठा और सद्भाव के साथ कार्य करने का संकल्प लें. युवा, राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भागीदारी, सामाजिक सौहार्द्रता और समरसता के प्रति निष्ठा रखने की प्रेरणा लें.

गणतंत्र दिवस पर राजधानी में सभी शासकीय इमारतों को सजाया गया है. इस अवसर पर बिजली के रंग-बिरंगे बल्बों की रोशनी से रोशन विधानसभा भवन.

आज रूट रहेगा डायवर्ट

रोशनपुरा से भारत टॉकीज जाने वाले दोपहिया और चारपहिया वाहन बाणगंगा, मछलीघर, खटलापुरा और पीएचक्यू तिराहा होते हुए मार्ग का उपयोग कर सकते हैं. टीटी नगर से रेलवे स्टेशन और बस स्टैंड की ओर जाने वाली बसें तथा भारी वाहन लिंक रोड नंबर-1, डीबी मॉल, सुभाष नगर आरओबी ब्रिज और प्रभात चौराहा मार्ग से निकलेंगे. सुबह 7:30 बजे से कार्यक्रम समाप्ति तक पुलिस मुख्यालय तिराहा और कंट्रोल रूम तिराहा के बीच सामान्य वाहनों का प्रवेश प्रतिबंधित रहेगा.

गणतंत्र दिवस परेड दिल्ली और भोपाल में एमपी के युवा देंगे सलामी

भोपाल, 25 जनवरी. गणतंत्र दिवस पर राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक देश की राजधानी नई दिल्ली में कर्तव्य पथ पर आयोजित परेड में मार्च कर राष्ट्रपति को सलामी देंगे. नई दिल्ली में आयोजित राष्ट्रीय गणतंत्र दिवस समारोह में कुल 148 राष्ट्रीय सेवा योजना स्वयंसेवक परेड में शामिल होंगे, जिनमें मध्यप्रदेश से आठ स्वयंसेवक प्रदेश का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं. इनमें बरकतउल्ला विश्वविद्यालय भोपाल से आशा वरकड़े, प्रज्ञा सक्सेना, रिमी शर्मा और आदित्य गौर, जीवाजी विश्वविद्यालय ग्वालियर से अंतरा चौहान और विनोद सेन, विक्रम विश्वविद्यालय उज्जैन से महेश चौहान तथा महाराजा छत्रसाल बुंदेलखंड विश्वविद्यालय छतरपुर से संजय कुमार रजक शामिल हैं. इधर, लाल परेड मैदान भोपाल में आयोजित राज्य स्तरीय गणतंत्र दिवस समारोह में भी एनएसएस का परेड दल पहली बार सहभागिता कर रहा है. करीब 49 स्वयंसेवकों का दल मार्च के साथ राज्यपाल को सलामी देगा. दल का नेतृत्व बरकतउल्ला विश्वविद्यालय भोपाल के स्वयंसेवक प्रियांशु बघेल कर रहे हैं. इसमें कार्यक्रम समन्वयक डॉ अनंत कुमार सक्सेना और प्रशिक्षक राहुल सिंह परिहार की महत्वपूर्ण भूमिका रही. राज्य एनएसएस अधिकारी मनोज कुमार अग्निहोत्री के मार्गदर्शन में प्रशिक्षित इन स्वयंसेवकों ने कठोर अभ्यास और अनुशासन के साथ यह उपलब्धि हासिल की है.

गण-तंत्र, दोनों को होना होगा और जिम्मेदार

प्रशांत जैन

देश के सभी नागरिक इस बार 77वां गणतंत्र दिवस मना रहे हैं. इन दिनों मध्यप्रदेश ही नहीं पूरा देश और विश्व भी अनेक तरह की गंभीर चुनौतियों से जूझ रहा है. देश के समक्ष आंतरिक से ज्यादा वैश्विक चुनौतियां हैं. खासतौर से विस्तारवादी ताकतों और आतंकवाद से. अमेरिका पिछले एक वर्ष से जिस तरह से सिर्फ अपने हितों का ध्यान रखते हुए भारत समेत अनेक देशों को आंख दिखाने की कोशिश कर रहा है, वह सभी भारतीयों के लिए भी बड़ी चुनौती है. सवाल यह है कि इन चुनौतियों से हम पार कैसे पाएंगे.

सिर्फ मजबूत और एकजुट भारत ही इन चुनौतियों का डटकर मुकाबला कर सकता है. इन स्थितियों में आवश्यक है कि सभी 140 करोड़ भारतीय यानी 'गण' अपने अधिकारों के साथ अपने कर्तव्यों का पूरी तरह से निर्वहन करने पर भी जोर दें. इसी तरह 'तंत्र' यानी सरकार और प्रशासन से जुड़ी सभी इकाई भी अपनी जिम्मेदारियों और कर्तव्यों को और बेहतर तरीके से निभाएं. पिछले दो दशकों के दौरान तकनीकी तौर पर विशेष रूप से सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में जो वैश्विक प्रगति हुई है, उससे मानव जीवन काफी आसान भी हुआ है.

यह इसलिए कहा जा रहा है, क्योंकि इन स्थितियों में नागरिक और शासन-प्रशासन दोनों ही अपने कर्तव्यों का बेहतर तरीके से निर्वहन करके समाज, प्रदेश और राष्ट्र को आवश्यक मजबूती प्रदान कर सकते हैं. मोदी सरकार के विजन-2047 के तहत विकसित राष्ट्र की अवधारणा को जमीन पर उतारने की नीतियों को लेकर आलोचना आदि का स्थान हो सकता है, लेकिन इस लक्ष्य के प्रति शायद ही कोई देशवासी कोई पूर्वाग्रह रखे. देखने सोचने में यह लक्ष्य काफी बड़ा दिखाई दे सकता है, लेकिन यह असंभव कतई नहीं है. जब यह देश सामूहिक प्रयासों के जरिए दो सौ साल राज करने वाले अंग्रेजों को भारत छोड़ने पर मजबूर कर सकता है, तो अब मौजूदा विकास के दौर में विकसित, आत्मनिर्भर और शक्तिशाली राष्ट्र की अवधारणा को भी साकार किया जा सकता है.

आज के दौर में नागरिकों के पास बुनियादी सुविधाओं का अभाव वैसा नहीं है, जैसा कुछ वर्षों पहले हुआ करता था. इसी तरह तंत्र यानी शासन-प्रशासन के पास भी धनराशि और विभिन्न संसाधनों की कमी नहीं है. इन हालातों में जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, कर्मचारियों, लोकसेवकों और अन्य संबंधितों को पूरी ईमानदारी से अपने संवैधानिक कर्तव्यों का दायित्व और बेहतर तरीके से संवेदनशीलता के साथ निभाना चाहिए. राष्ट्रहित और नागरिकों के हितों को ध्यान में रखकर ही प्रत्येक कदम उठाना चाहिए. इसी तरह प्रत्येक नागरिक को धर्म, जाति, क्षेत्र और अन्य संकीर्ण विचारों से ऊपर उठकर अपने कर्तव्यों को पूरी ईमानदारी से निभाना चाहिए. हमारे कार्य सदैव इंसानियत, समाज और राष्ट्रहित में होना चाहिए. अंततः सभी के लिए राष्ट्रहित सर्वोपरि होना चाहिए. ऐसा होने पर हम सशक्त राष्ट्र निर्माण के साथ ही अपने देश की सीमाओं व संप्रभुता की रक्षा करने में सक्षम होंगे.

एक नजर में

नर्मदा जयंती पर निकली जल कलश शोभायात्रा

भोपाल, 25 जनवरी. भोपाल शहर में रविवार को नर्मदा जयंती धूमधाम से मनाई गई. इस दौरान मंदिरों में मां नर्मदा का अभिषेक, पूजन किया गया. तुलसी नगर स्थित नर्मदा मंदिर में मुख्य आयोजन हुआ. यहां मां नर्मदा का पूजन करने के बाद जलकलश शोभायात्रा निकाली गई, जिसमें बड़ी संख्या में महिलाएं सिर पर जल कलश रखकर चल रहीं थीं. इधर दादाजी धाम मंदिर, रायसेन रोड, पटेल नगर, भोपाल मेंरविवार को मां नर्मदा जयंती (प्रकटोत्सव) के अवसर पर सुबह 11 बजे से भगवान शिव का वैदिक विधि-विधान से रुद्राभिषेक, तत्पश्चात मां नर्मदा जी का पूजन-अर्चन, महाआरती एवं नर्मदा अष्टकम पाठ किया गया.नर्मदा जयंती महापौर ने शीतलदास की बगिया स्थित मां नर्मदा की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया. पूजा-अर्चना भी की. जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल थे.

महापौर आईएसबीटी में फहराएंगी राष्ट्रीय ध्वज

भोपाल, 25 जनवरी. गणतंत्र दिवस के अवसर पर महापौर मालती राय सोमवार को सुबह 07.45 बजे आईएसबीटी निगम कार्यालय परिसर तथा नगर निगम अध्यक्ष किशन सूर्यवंशी सुबह 8:15 बजे माता मंदिर हर्षवर्धन काम्पलेक्स स्थित निगम कार्यालय पर राष्ट्रीय ध्वज फहराएंगे.

हज़ारों शहीद ऐसे जिनका इतिहास में उल्लेख नहीं : समर

मध्यप्रदेश लेखक संघ की प्रादेशिक राष्ट्र भक्ति, वीर रस गोष्ठी

भोपाल, 25 जनवरी. मध्यप्रदेश लेखक संघ द्वारा प्रादेशिक राष्ट्र भक्ति, वीर रस गोष्ठी गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर रविवार 2 बजे से दुष्यन्त कुमार स्मारक पाण्डुलिपि संग्रहालय, शिवाजी नगर, भोपाल में आयोजित की गई. गोष्ठी वरिष्ठ कवि चौ. मदन मोहन समर के मुख्य आतिथ्य, जीवन एस. रजक के सारस्वत आतिथ्य, डॉ रामवल्लभ आचार्य, संरक्षक मध्यप्रदेश लेखक संघ के विशिष्ट आतिथ्य एवं राजेंद्र गट्टानी, अध्यक्ष मध्यप्रदेश लेखक संघ की अध्यक्षता में संपन्न हुई.

गोष्ठी में प्रदेश के चर्चित ओज और वीर रस के साहित्यकारों ने अपनी रचनाएं सुनाई. पहले कवि के तौर पर चन्देरी से पधारे परम लाल परम ने सुनाया' देश में भाईचारा सबसे अच्छा है, जान सके ना हिन्दू मुस्लिम किसका बच्चा है '. विजयपुर से पधारे शेखर वत्स ने पढ़ा, ' प्रेम सदा पराजित हो ऐसा कोई दस्तूर नहीं '. दतिया से आये मनीराम शर्मा ने वीर सपूत चंद्रशेखर आज़ाद को याद करते हुए सुनाया, 'आज़ादी पाने की ख़ातिर, आज़ाद ने बीड़ा उठा लिया ' गुना से आये कवि सुनील शर्मा, चीनी ने सुनाया, 'जग में जिसकी एक निराली शान है, ऐसा प्यारा भारत देश महान है'. स्थानीय कवि कमल सिंह ने सुनाया, 'हम वीर बड़े मतवाले हैं, भारत मां के रखवाले हैं, जब आन-बान पर आ जाये, हम देश पर मिटने वाले हैं. गुना से आये शंकर राव मोरे विद्यार्थी, ने सुनाया, 'सेना से अस्तित्व हमारा, सैनिक अपनी शान हैं. स्थानीय कवयित्री रश्मि मिश्रा की रचनाओं से बहुत प्रभावित किया, 'लहू से सींच कर वीरों चमन तुमने खिलाया है, तुम्हारे शौर्य के दम पर वतन ये मुस्कुराया है '. खण्डवा के तारकेश्वर चौरे ने सुनाया, झंडा तिरंगा लहराता है अपनी पूरी शान से, मिली आज़ादी हमें वीरों के वीरों के बलिदान से'. भोपाल से कर्नल डॉ. गिरिजेश सक्सेना की रचना को बहुत वाहवाही मिली, 'लातों के भूत न माने बातों से, अब कोई बात मत करना '. स्थानीय वरिष्ठ कवि छन्दकार डॉ. अशोक कुमार धमेनिया ने सुनाया, चीन को भी चिन्ह चुके, इतना विचार लो '. भोपाल के वरिष्ठ कवि डॉ. मोहन तिवारी आनंद ने सुनाया, 'गुनगुनाना चाहता हूं, गीत उनकी शान के, देश पर जो मर मिटे हैं, वीर हिन्दुस्तान के'. डॉ. प्रार्थना पंडित के इस गीत को बहुत सराहना मिली, 'आज बड़ा बेगाना लागे, जिस आंगन में खेला हूं, सरहद से है चिट्ठी आयी, मां मैं बहुत अकेला हूं '. प्रांतीय सचिव मनीष बादल ने देश भक्ति दोहे सुनाये, 'वसुधा पारस से भरी, जल में जिसके क्षीर. वो भारत बस प्रेम दे, कभी न देता पीर '. संस्था के उपाध्यक्ष अनिरुद्ध सेंगर ने सुनाया, 'अपने प्रण से कर्म कहानी लिख दी है, तुफानों के नाम जवानी लिख दी है '. संस्था के उपाध्यक्ष एवं वरिष्ठ गीतकार ऋषि शृंगारी ने सुनाया कि 'हमारी जान तुम्हारी जान, हमारा प्यारा हिन्दुस्तान '. संस्था के संरक्षक एवं विशिष्ट अतिथि डॉ राम वल्लभ आचार्य ने सुनाया, 'जो सबको राह दिखलाये उसे आदर्श कहते हैं.'

कार्यक्रम के सारस्वत अतिथि, जीवन एस. रजक ने सुनाया, 'बार बार गजनी आया, सोमनाथ तक लूट मचाया, नित नूतन पथ बढ़ता जाता, प्यारा हिंदुस्तान हमारा'. कार्यक्रम के मुख्य अतिथि वरिष्ठ कवि चौ. मदन मोहन समर ने सुनाया, 'तुमने कहा पथ पे बहुत कांटे मिलेंगे हमने कहा पथ पे बहुत फूल खिलेंगे'. अध्यक्षीय उद्बोधन में संस्था के अध्यक्ष राजेंद्र गट्टानी ने अपने वक्तव्य रखे एवं रचना सुनाई, 'लिखना है तो युवा वर्ग को, है आराम हराम लिखूं'. धन्यवाद ज्ञापन ऋषि शृंगारी ने दिया एवं कार्यक्रम का सफल संचालन मनीष बादल एवं प्रार्थना पंडित ने किया.

गणतंत्र दिवस पर लोकरंग का 41वां रंगोत्सव आज

भोपाल, 25 जनवरी. गणतंत्र दिवस पर भोपाल की शाम इस बार लोक संस्कृति के रंगों से सराबोर होंगी. किसान कल्याण और स्वाभिमान पर्व के अंतर्गत 41वें लोकरंग का शुभारंभ सोमवार 26 जनवरी से रवींद्र भवन और एमवीएम परिसर में होने जा रहा है. पांच दिन तक चलने वाला यह उत्सव जनजातीय लोक कला, संगीत, नृत्य, शिल्प और व्यंजनों के माध्यम से ग्रामीण भारत की जीवंत झलक प्रस्तुत करेगा.

मेरी मातृ हे शारदे, हम रहें न रहें, देश जिंदा रहे

▶ रवींद्र भवन में अखिल भारतीय कवि सम्मेलन

नवभारत प्रतिनिधि

भोपाल, 25 जनवरी. कष्ट में अब कोई भी बंदा न रहे, कैद में अब कोई न परिंदा रहे, प्रार्थना है मेरी मातृ हे शारदे हम रहें न रहें देश जिंदा रहे. गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर रवींद्र भवन में ये पंक्तियां जब मंच से गूंजीं तो सभागार राष्ट्रभक्ति से भर उठा.

मध्यप्रदेश शासन संस्कृति विभाग द्वारा आयोजित अखिल भारतीय कवि सम्मेलन में देश के ख्यात कवियों और कवयित्रियों ने अपनी रचनाओं से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया. कवि सम्मेलन में अशोक चक्रधर, सुरेंद्र शर्मा, वसीम बरेलवी, डॉ. सीता सागर, कैलाश मंडेला, शैलेंद्र सिंह, हिमांशी बावरा और श्रद्धा शौर्य ने कविता पाठ किया. कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन और सरस्वती वंदना से हुआ. कवियों ने राष्ट्रप्रेम, सामाजिक यथार्थ, मानवीय रिश्तों और समकालीन जीवन की विडंबनाओं को शब्दों में पिरोया. शैलेंद्र सिंह की राष्ट्रभावना से ओतप्रोत पंक्तियों ने देशप्रेम का संदेश दिया, वहीं हिमांशी बावरा की कविताओं में संवेदनशील मानवीय रिश्तों का दर्द और अनुभव झलका.

बरकतउल्ला विवि में 'शी फिट रन ड्राइव'

भोपाल, 25 जनवरी. बरकतउल्ला विश्वविद्यालय और श्री आरंभ डायट एंड वैलनेस क्लिनिक द्वारा 'शी फिट रन मॉर्निंग ड्राइव' का आयोजन किया गया. इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉक्टर आलोक मिश्रा संचालक शारीरिक शिक्षा विभाग ने संबोधित करते हुए कहा कि वर्तमान समय में शी-फिट रन खेल या फिटनेस गतिविधि नहीं, बल्कि नारी स्वास्थ्य, सशक्तिकरण और सामाजिक जागरूकता का माध्यम है.

विंध्य एकता परिषद् की अध्यक्ष बनीं वंदना द्विवेदी

भोपाल, 25 जनवरी. विंध्य एकता परिषद् प्रदेश की प्रदेश कार्यकारिणी का पदभार ग्रहण कार्यक्रम आयोजित किया गया. बैठक में वंदना द्विवेदी को पुनः प्रदेश अध्यक्ष चुना गया. इस मौके पर प्रदेश अध्यक्ष वंदना द्विवेदी , वरिष्ठ उपाध्यक्ष मोहन प्रसाद मिश्रा, उपाध्यक्ष सुनील पांडेय, महासचिव रामकिशोर त्रिपाठी, सचिव भूपेंद्र तिवारी, कोषाध्यक्ष डॉ. दीपक द्विवेदी, उप कोषाध्यक्ष गुलशन यादव, सांस्कृतिक सचिव ललित पांडेय, प्रचार सचिव भोला सेन सहित अन्य पदाधिकारियों ने पदभार ग्रहण किया.

फल, सब्जियां, पौधे और खाद खरीद रहे हैं शहरवासी

▶ भोपाल हाट में आजीविका ग्रीन मेला का समापन आज

भोपाल, 25 जनवरी. राजधानी के भोपाल हाट में 24 से 26 जनवरी तक तीन दिवसीय आजीविका ग्रीन मेले का आयोजन मध्यप्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन द्वारा किया गया है. मेले में मिशन अंतर्गत महिला स्व-सहायता समूहों के रसायन रहित उत्पाद आकर्षण का केन्द्र रहे.

मुख्य रूप से समूहों की नर्सरी में तैयार किये गये पौधे, फल, सब्जी, रसायन रहित अनाज, बीज, खाद, कीटनाशक एवं बागवानी के सामान की दूसरे दिन रविवार को भी अच्छी बिक्री हुई. भोपाल, रायसेन, सीहोर, हरदा, नर्मदापुरम, मंदसौर, विदिशा, ग्वालियर, राजगढ़, सागर, श्योपुर, आगर-मालवा बैतूल, जबलपुर, नरसिंहपुर एवं गुना जिलों से समूहों की दीदियां सामग्री लेकर आई हैं. यह मेला अन्य मेलों की तुलना अलग है, इस मेले में शोभादार पौधों में गुलाब, सेवंती, डहेलिया आदि, आस्था के पौधों में तुलसी, शमी, बेल आदि, सब्जी की पौधों में टमाटर, मिर्च, गोभी, पत्ता गोभी, ग्राफ्टेड सब्जी में बैगन के पौधे उपलब्ध रहेंगे. उन्नत फलदार वृक्षों में ग्राफ्टेड आम, अमरूद (थाई पिंक थाई) नीबू (सीड लेस), संतरा, चीकू, अनार आदि विशेष रूप से उपलब्ध हैं. इसके अलावा जैविक खाद, केंचुआ खाद, नाडेप खाद, धनजीवामृत, द्रव्यजीवामृत तथा जैविक कीटनाशक में नीमास्त्र, बह्मास्त्र, अग्नि अस्त्र, पांचपर्णी, दशपर्णी काढ़ा, एकीकृत कीट नियंत्रण सामग्री में नीला, पीला स्टिकी ट्रैप, फेरोमोने ट्रैप, लाई ट्रैप उपलब्ध हैं.

कार्यक्रम ▶ उप मुख्यमंत्री ने गौ संरक्षण केंद्र में किया गौ गोपाल मंदिर, गौ स्तंभ स्थापना का भूमिपूजन

गौ संरक्षण और जनस्वास्थ्य एक-दूसरे से जुड़े हैं : शुक्ल

भोपाल, 25 जनवरी. उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि गौ संरक्षण केवल धार्मिक कार्य नहीं, बल्कि जनस्वास्थ्य, पर्यावरण संरक्षण और प्राकृतिक खेती से जुड़ा एक व्यापक सामाजिक आंदोलन है. उप मुख्यमंत्री शुक्ल रायसेन जिले के सम्राट अशोक सागर बांध (हलाली डैम) स्थित ब्रजमोहन रामकली गौ संरक्षण केंद्र में गौ गोपाल मंदिर, गौ स्तंभ स्थापना एवं भूमि पूजन कार्यक्रम के अवसर पर कही. उन्होंने बताया कि गौ संरक्षण केंद्र के अंतर्गत प्राकृतिक खेती का प्रशिक्षण एवं परीक्षण केंद्र प्रारंभ किया गया है, जहां श्री श्री रविशंकर फाउंडेशन (आर्ट ऑफ लिविंग) के मास्टर ट्रेनर्स द्वारा किसानों को नेचुरल फार्मिंग का प्रशिक्षण दिया जा रहा है. उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने कहा कि गाय दूध देना बंद कर दे, तब भी वह अनुपयोगी नहीं होती. गोबर और गोमूत्र से जीवामृत, घन जीवामृत, गौ अमृत जैसे जैविक उत्पाद बनाकर रासायनिक कीटनाशकों का विकल्प तैयार किया जा सकता है, जिससे किसानों को प्राकृतिक खेती की ओर प्रेरित किया जा सकेगा. रासायनिक उर्वरकों के अत्यधिक उपयोग के कारण बीपी, शुगर, कैंसर जैसी बीमारियां बढ़ रही हैं, जिस पर गंभीरता से विचार करने की आवश्यकता है. उन्होंने आयोजकों, जनप्रतिनिधियों और समस्त गौ सेवकों से गौ संरक्षण एवं प्राकृतिक खेती को जन आंदोलन बनाने का आह्वान किया.